

05/01/2024 (M)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5632

G

Unique Paper Code : 12131102

Name of the Paper : Critical Survey of Sanskrit
Literature

Name of the Course : B.A. (H), Core, LOCF

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. There are total 8 questions in this question paper. Attempt any 5 questions. Each question contains equal marks.

P.T.O.



छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. इस प्रश्नपत्र में कुल 8 प्रश्न हैं । इनमें से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ऋग्वेद में वर्णित धर्म और दर्शन पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on the religion and philosophy mentioned in Rigveda.

2. वेदांगों के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए ।

Described the importance of Vedangas.

3. आदिकाव्य के रूप में रामायण का निरूपण कीजिए ।

Evaluate Ramayan as an Adikavya.

4. महाभारत के सांस्कृतिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on the cultural importance of Mahabharat.

5. पुराणों के वर्ण्य-विषय का विवेचन कीजिए ।

Discuss the subject matter of the Puranas.

6. रस संप्रदाय पर एक निबन्ध लिखें ।

Write an essay on the school of Ras.

7. बौद्ध दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन कीजिए ।

Describe the major disciplines of baudha philosophy.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (कोई एक टिप्पणी संस्कृत में करें)

Write a short note on any **three** of the following :
(Make any **one** comment in **Sanskrit**.)

(i) पाणिनि

(Panini)

P.T.O.

- (ii) महर्षि पतंजलि
(Maharishi Patanjali)
- (iii) चार्वाक दर्शन
(Charvak Darshan)
- (iv) वेदांत दर्शन
(Vedanta philosophy)
- (v) पूर्वमीमांसा
(Purvmimansa)

(1000)